

दिनांक 7 अक्टूबर, 1998

क्रमांक 1966-ज-2-98/10894.—श्री बनवारी लाल पुत्र श्री ताला राम निवासी गांव सूई तहसील बवानीखेड़ा जिला भिवानी को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 8-ज(1)-77/3333, दिनांक 7-2-1977 द्वारा 150/- रुपये वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30-10-79 द्वारा 300/- रु० और बाद में अधिसूचना क्रमांक 2044-ज-2-93/15918, दिनांक 26-8-93 द्वारा 1000/- रु० वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री बनवारी लाल की दिनांक 10-2-97 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री बनवारी लाल की पत्नि श्रीमती रामप्यारी के नाम खरीफ 1997 से 1000/- रु० वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

क्रमांक 1867-ज-2-98/10897.—श्री नवल सिंह उर्फ नवल किशोर पुत्र श्री रामपत निवासी गांव अहरौद (अब कुण्ड मनेठी) तहसील रेवाड़ी जिला महेन्द्रगढ़ (अब रेवाड़ी) को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1289-ज-1-76/22889/दिनांक 28-7-76 द्वारा 150/- रु० वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30-10-79 द्वारा 300/- रु० और बाद में अधिसूचना क्रमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 26-8-93 द्वारा 1000/- रु० वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री नवल सिंह उर्फ श्री नवल किशोर की दिनांक 5-12-95 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है), की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस जागीर को श्री नवल सिंह उर्फ नवल किशोर की पत्नि श्रीमती शान्ति देवी के नाम खरी, 96 से 1000/- रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

सुन्दर दास,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।